अमरावती विभाग में एफडीए के 14 पद रिक्त

4 अफसर संभाल रहे डिविजन की कमान

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 20 अक्टूबर- मध्य प्रदेश में खांसी की दवाई से 22 बच्चों की मौत के बाद एक बार फिर से दवाइयों की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं. इस पृष्ठभूमि में महाराष्ट्र के अमरावती डिविजन में फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) विभाग खुद ही भारी स्टाफ की कमी से जूझ रहा है. विभाग में स्वीकृत 18 पदों में से 14 पद खाली हैं और केवल 4 अधिकारी पूरे डिविजन का कार्यभार संभाल रहे हैं.

अमरावती डिविजन में एफडीए की स्थिति

पद	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
कुल अधिकारी	18	4	14
सहायक आयुक्त	5	2 (1 प्रभारी)	3
ड्रग इंस्पेक्टर	11	1	10

विभाग की स्थिति (अमरावती डिविजन)

मेडिकल स्टोर्स :	13,500
ब्लड बैंक्स :	30
ब्लड स्टोरेज यूनिट्स :	36
दवा उत्पाद उद्योग :	51
एलोपैथिक उद्योग :	18
आयुर्वेदिक उद्योग :	17 (डिविजन में कॉस्मेटिक प्रोडक्शन यूनिट्स भी हैं)

11 की जगह केवल 1 ड्रग निरीक्षक

एफडीए विभाग का मुख्य कार्य नकली खाद्य और दवा उत्पादों की निगरानी और उन पर नियंत्रण रखना है, लेकिन अमरावती डिविजन में इतने महत्वपूर्ण कार्य के लिए जरूरी जनशक्ति ही उपलब्ध नहीं है. अमरावती, अकोला, यवतमाल, वाशिम और बुलढाना इन पांच जिलों को मिलाकर बना अमरावती डिविजन महज चार अधिकारियों के भरोसे चल रहा है. वर्तमान में अमरावती जिले के सहायक आयुक्त का पद रिक्त है. यवतमाल के सहायक आयुक्त एम.के. कालेश्वरकर को अमरावती का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है. वहीं अकोला और बुलढाना में भी सहायक आयुक्त के पद खाली हैं. डिवीजन में जहां 11 ड्रग इंस्पेक्टर होने चाहिए, वहां सिर्फ वाशिम जिले में एक इंस्पेक्टर कार्यरत है, बाकी जिलों में निरीक्षक ही नहीं हैं.

मैन पॉवर की कमी

इस हालात में केवल चार अधिकारी पूरे डिविजन में मौजूद 13,500 मेडिकल स्टोर्स, 30 ब्लड बैंक्स, 36 ब्लड स्टोरेज यूनिट्स, 51 दवा उत्पादन कंपनियों, 18 एलोपैथिक और 17 आयुर्वेदिक उद्योगों की निगरानी कर रहे हैं. हाल ही में मध्य प्रदेश में 'कोल्डरिफ' नामक कफ सिरप पीने से 22 बच्चों की मौत हुई थी, जिसके बाद तमिलनाडु की 'सेसन फार्मा' कंपनी के मालिक को गिरफ्तार किया गया. पश्चात यवतमाल जिले में 6 साल के बच्चे की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई, जिससे राज्य में चिंता का माहौल बना हुआ है. एफडीए ने त्वरित कार्रवाई करते र हुए दवाओं के सैंपल इकट्ठा करना शुरू कर दिया है. लेकिन मैन पॉवर कम होने से विभाग को जल्द कार्यवाही करने में भारी दिक्कतें आ रही हैं. जिसके लिए विभाग में मनुष्य बल बढ़ाए जाने की मांग खुद विभाग के अधिकारी-कर्मचारी दबे मुंह कर रहे हैं.

वर्तमान संकट

- 22 बच्चों की मौत (मप्र, 'कोल्डरिफ' कफ सिरप से) के बाद बढ़ी सतर्कता
- यवतमाल में भी एक बच्चे की मृत्यु से राज्य में चिंता
- एफडीए डिविजन में जनशक्ति की गंभीर कमी
- सिर्फ चार अधिकारी पूरे डिविजन की निगरानी में व्यस्त
- सीमित स्टाफ होने से सैंपल जांच और कार्रवाई में देरी

काम को लेकर हम पूरी तरह सतर्क

अमरावती डिविजन में स्टाफ की कमी जरूर है, लेकिन हम पूरी तरह सतर्क हैं. यवतमाल की घटना के तुरंत बाद दवाओं के नमूने लिए गए और संबंधित कंपनी की बैच की बिक्री पर रोक लगाने के आदेश सभी जिलों को दिए गए हैं. जरूरत पड़ने पर हम खुद मौके पर जाते हैं. एम.के. कालेश्वरकर, (प्रभारी सहायक आयुक्त, एफडीए अमरावती डिविजन)

जिप का 'एक दीप बळीराजासाठी' उपक्रम

मुख्यमंत्री सहायता निधी को मदद देने का अधिकारी-कर्मचारियों का संकल्प

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 20 अक्टूबर- अतिवृष्टी तथा बाढ के हालात से त्रस्त हुये किसानों में एक आनंद निर्माण करने के लिये 'एक दीप बळीराजासाठी' इन शब्दों के साथ जिला परिषद के अधिकारी तथा कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री मदद निधी को कुछ राशी देने का संकल्प किया है. इस उपक्रम का उद्देश्य केवल दिवाली का आनंद मनाना, यह नहीं है बल्कि अतिवृष्टी से नुकसान हुये किसानों के प्रति अपनापन तथा हमदर्दी व्यक्त करना, यह है, ऐसा जिला प्रशासन ने कहा है. जिला परिषद के परिसर में अधिकारी तथा कर्मचारियों ने इकठ्ठा होकर किसानों के कल्याण के लिए और उनके

संघर्षमय जीवन में पुनः उजाला निर्माण हो इस भावना के साथ दीप प्रज्वलित किये. 'एक दीप बळीराजासाठी' यह संदेश देकर सभी ने, खेती यह केवल उत्पादन का नहीं बल्कि जीवन का अधिष्ठान है, इसका एहसास करा दिया. प्राकृतिक आपदा की वजह से इस वर्ष किसान भाई बडी अडचनों का सामना कर रहे है. इसलिए दिवाली के पर्व पर उनके लिये एक दीप प्रज्वलित कर उनके कुशल मंगलमय प्रगती के लिए प्रार्थना भी की गयी. जिप सीइओ संजिता महापात्र की पहल पर यह कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जिप सीइओ महापात्र ने कहा कि किसानों की अडचनें यह सामाजिक जिम्मेदारी है. प्रशासन उनके साथ अडिग खडा हुआ है. दिवाली के पर्व में हमने किसानों की पीडा में सहभागी होकर एक दीप प्रज्वलित करने पर वह सही अर्थों में संवेदना का प्रकाश साबित होगा. सीइओ महापात्र ने इस समय अधिकारी तथा कर्मचारियों को भी संबोधित किया.

एकदूसरे को सहयोग कर प्राप्त करें सफलता

सीइओ महापात्र ने बताया की जिला परिषद के अधिकारी तथा कर्मचारी यह एक संयुक्त परिवार है. परिवार के अन्य सदस्यों की तुलना में ज्यादा समय हम इस स्थान पर देते है. अपनी पसंद-नापसंद परिवार के सदस्यों से भी अधिक अच्छी तरह से अपने सहयोगियों को पता रहती है. इस परिवार का प्रत्येक घटक महत्व का है. इसलिए एकदूसरे को सहयोग करते हुये भी हमें सफलता को हासिल करना है. उसके लिए उन्होंने सभी को शुभकामनाएं भी दी.

पश्चिम क्षेत्र में 33 केवी बिजली उपकेंद्र स्थापित करें

डॉ. अलीम पटेल ने निगमायुक्त से किया अनुरोध

अमरावती, - अल अजिज फंक्शन हॉल के सामने महापालिका की जगह पर 33 केवी उपकेंद्र स्थापित करने के लिए अनुमति देने का अनुरोध निगमायुक्त सौम्या शर्मा से डॉ. अलीम पटेल ने किया. शहर के पश्चिम क्षेत्र में बीते कई वर्षों से बिजली आपूर्ति की समस्या गंभीर है. बार-बार बिजली आपूर्ति खंडित होने से आम जनता, व्यापारी-दुकानदार, विद्यार्थी व अस्पतालों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता हैमनपा आयुक्त को डॉ. पटेल ने बताया की मनपा की दो एकड़ जमीन महावितरण को स्थानांतरित करने पर यहां उपकेंद्र बनाया जा सकता है. पिछले 5 सालों से महावितरण व मनपा के बीच पत्र व्यवहार चल रहा है. अभी तक ठोस निर्णय ना होने से पश्चिम क्षेत्र में बिजली की समस्या कायम है. उपकेंद्र बनने के बाद यहां अखंडित बिजली आपूर्ति जनता को मिलेगी. 10 दिन के भीतर निर्णय न हुआ तो तीव्र आंदोलन करने की चेतावनी दी है.

शिक्षकों की मांगों पर जल्द से जल्द निर्णय लें

चंद्रशेखर भोयर की मांग

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 20 अक्टूबर- शिक्षकों की विविध समस्याओं का तत्काल निपटारा कर उसे हल करने के लिए अनेक वर्षों से सक्रिय शिक्षक महासंघ के संस्थापक अध्यक्ष व भाजपा शिक्षक आघाड़ी के प्रदेश सहसंयोजक चंद्रशेखर भोयर ने शिक्षकों की तीन महत्वपूर्ण मांगों के संदर्भ में पुणे में एससीईआरटी के सहसंचालक से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा. शिक्षकों की मांगों पर जल्द से जल्द निर्णय लेकर शिक्षकों को राहत दिलाने की मांग चंद्रशेखर भोयर ने सहसंचालक को सौंपे ज्ञापन में की.

स्कूल में नामवाचन समारोह संपन्न

अमरावती - विद्यादीप स्पेशल स्कूल व नूतन मूकबधीर विद्यालय में निगमायुक्त सौम्या शर्मा चांडक की उपस्थिति में शालेय नामवाचन समारोह उत्साह से संपन्न हुआ. इस प्रसंग पर निगमायुक्त के हाथों शाला के नाम का औपचारिक विमोचन किया गया. स्पेशल ओलम्पिक भारत और वैश्विक कर्णबधीर दिन के उपलक्ष्य में विभिन्न स्पर्धाओं में सफलता प्राप्त विद्यार्थियों का निगमायुक्त सौम्या शर्मा चांडक के हाथों गुलाब पुष्प तथा शिल्ड देकर सत्कार किया गया. एचएम ढोले, टीचर दुधे, तिवारी उपस्थित थे.

पीआर पोटे पाटिल स्कूल में हर्षोल्लास से मनाई दिवाली

विद्यार्थियों ने दिखा जबरदस्त उत्साह

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 20 अक्टूबर- स्थानीय पीआर पोटे पाटिल इंटरनेशनल स्कूल में विद्यार्थियों ने दिवाली पर्व बड़े ही उत्साह के साथ मनाया. कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती व लक्ष्मी माता की तस्वीर पर हारार्पण व दीप प्रज्वलन कर किया गया.

दिवाली महोत्सव कार्यक्रम में नर्सरी से 8वीं तक के विद्यार्थियों ने सहभाग लिया. नर्सरी की छात्राओं ने नृत्य प्रस्तुत किया. केजी 1 व केजी 2 के विद्यार्थियों ने रामायण प्रस्तुत की. कक्षा निहाय विद्यार्थियों को उपक्रम दिए गए थे. कक्षा 3 ग्रीटिंग कार्ड, कक्षा 4 दीया डेकोरेशन व तोरण, कक्षा 5वीं के लिए रामसीता, लक्ष्मी व भाऊबीज पोस्टर बनाना तय किया गया था. कार्यक्रम का संचालन कक्षा 5वीं के विद्यार्थी राम ताथोड़ व आयुषी पाथरे ने किया.

आभार प्रदर्शन अभिनव वानखडे ने किया. दिवाली का महत्व कक्षा चौथी की छात्रा देवांशी मानकर, प्रिया विघ्ने ने बताया. कार्यक्रम में शाला के प्राचार्य सचिन दुर्गे, उपप्राचार्य सोनल निस्ताने सहित शिक्षकेत्तर कर्मी बड़ी संख्या में उपस्थित थे.

दिवाली पर गांव जाते समय पुलिस को करें सूचित

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 20 अक्टूबर- दीपावली का पर्व शुरू हो चुका है और दीपावली की छुट्टियों में कई लोग अपने परिजनों से मिलने या फिर पर्यटन के लिहाज से घूमने-फिरने हेतु बाहरगांव जाते हैं और बाहरगांव जाते समय यह सोचकर अपने घर पर ताला लगा देते हैं कि, ताला लगाने से ही उनका घर पूरी तरह सुरक्षित रहेगा. लेकिन कई बार मौके की तलाश में रहने वाले चोर ऐसे बंद घरों को अपना निशाना बनाते हैं तथा बंद घरों की अलमारियों में सेंध लगाकर नगद रकम व कीमती आभूषण चुरा लेते हैं. ऐसे में यदि बाहरगांव जाते समय अपने क्षेत्र के पुलिस थाने को पहले से सूचित किया जाता है, तो पुलिस द्वारा ऐसे बंद मकानों की ओर अपनी गश्त के दौरान विशेष रुप से ध्यान रखा जाता है. जिसके चलते संबंधित मकान में रहने

बंद घरों में चोरियों का प्रमाण बढ़ा

वाले लोग चोरी जैसी वारदातों से बच सकते हैं. ऐसी घटनाओं के मद्देनजर शहर पुलिस द्वारा कई बार यह आवाहन किया जा चुका है कि, आप जब भी अपने घर पर ताला लगाकर कुछ दिनों के लिए किसी अन्य शहर में घूमने-फिरने के लिहाज से जाएं, तो इस बात की जानकारी संबंधित पुलिस थाने को जरुर दें. उसके साथ ही बाहरगांव जाते समय घर में कोई नगद रकम या महंगे आभूषण न रखें, बल्कि उन्हें या तो अपने साथ लेकर जाएं, या फिर बैंक के लॉकर में ले जाकर रखें. इसके अलावा बाहरगांव जाते समय अपने घर के दरवाजे को मजबूती के साथ बंद करते हुए उस पर अच्छी क्वॉलिटी वाला ताला लगाएं. इन सबके साथ ही यदि संभव हो तो अपने घर के आसपास सीसीटीवी कैमरे और सिक्यूरिटी अलार्म की सुविधा भी लगानी चाहिए. इसके अलावा यदि परिसरवासियों को किसी घर के आसपास या अपने रिहायशी इलाके में कोई व्यक्ति संदेहास्पद रूप से घूमता-फिरता दिखाई दे रहा है, तो उसकी जानकारी तत्काल ही परिसरवासियों ने पुलिस को देनी चाहिए.

बाहरगांव जाते समय अपने पैसे व गहनों को बंद घर में बिल्कुल न रखें, उन्हें या तो अपने साथ लेकर जाएं, या फिर बैंक के लॉकर में ले जाकर रखें. साथ ही बाहरगांव जाने की जानकारी अपने आसपड़ोस के लोगों के साथ ही अपने क्षेत्र से संबंधित पुलिस थाने को जरुर दें.

- अरविंद चावरिया,
शहर पुलिस आयुक्त

गत दिवाली पर 80 से अधिक घरों में हुई चोरी

गत वर्ष भी शहर पुलिस आयुक्त के 10 पुलिस थाना क्षेत्रों में दीपावली पर्व के दौरान 80 से अधिक स्थानों पर चोरी व सेंधमारी की वारदातें घटित हुई थीं. जिसमें बंद घरों को ही सबसे ज्यादा निशाना बनाया गया था.

गत वर्ष सर्वाधिक चोरी शहर के सीमावर्ती इलाकों में स्थित रिहायशी क्षेत्रों में हुई थी. जिसके चलते पुलिस द्वारा ऐसे रिहायशी इलाकों में रात्रिकालीन गश्त बढ़ा दी गयी है. जिसके चलते ऐसे इलाकों में चोरी व सेंधमारी की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सका.

बाहरगांव जाते समय यह जरुर करें

पुलिस थाने को दें सूचना

बाहरगांव जाते समय इसकी जानकारी अपने पड़ोसियों को सूचना देने के साथ ही संबंधित पुलिस थाने को भी दें. इसके अलावा 3 से 4 परिवारों द्वारा साथ मिलकर किसी चौकीदार या सुरक्षा रक्षक की नियुक्ति करें. साथ ही रात्रिकालीन गश्त पर रहने वाले पुलिस कर्मियों के संपर्क में रहें.

112 नंबर पर करें शिकायत

तत्काल शिकायत के लिए डायल 112 पर तुरंत कॉल करें. अपने परिसर में घूमने वाले फेरीवालों व फुटकर विक्रेताओं के आधार कार्ड को जांचें. साथ ही यदि ऐसे लोगों द्वारा अपनी पहचान छुपाने का प्रयास किया जाता है, तो इसकी सूचना तुरंत ही पुलिस को दें.

अपना अमरावती का

आदर्श शिक्षक पुरस्कार से शारदा गणोरकर सम्मानित

अमरावती- ज्ञानदान के क्षेत्र में समाजसेवा का मौलिक योगदान देने पर महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस शिक्षक सेल की ओर से शिक्षिका शारदा अरुण गणोरकर (कांडली) को सम्मानपत्र, स्मृतिचिन्ह, शॉल व पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया. महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के मुंबई कार्यालय में यह पुरस्कार प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ के हाथों प्रदान किया गया. प्रमुख अतिथि शिक्षक विधायक जयंत आसगांवकर तथा शिक्षक सेल के प्रदेशाध्यक्ष उपस्थित थे.

डॉ. रविंद्र कासट का जन्मदिन मनाया

अमरावती- लायन्स इंद्रपुरी की ओर से डॉ.रविंद्र कासट का जन्मदिन मनाया गया. सुखशांति वृध्दाश्रम, जेवड़ नगर में यह जन्मदिन मनाया गया. कार्यक्रम में अध्यक्ष के तौर पर भाऊलाल इंदाणे उपस्थित थे. लायन्स इंद्रपुरी ने डॉ.रविंद्र कासट का शॉल व किताब देकर सत्कार किया.

विवि में नवप्रवेशित छात्रों का स्वागत

अमरावती- संगाबा अम. विवि के केमेस्ट्री विभाग में नवप्रवेशित छात्रों का परिचय तथा स्वागत समारोह उत्साह से संपन्न हुआ. सीनिअर पाठ्यक्रम के छात्रों ने जूनियर पाठ्यक्रम के छात्रों का उत्साह से स्वागत किया. कार्यक्रम में अध्यक्ष डॉ.प्रशांत गावंडे उपस्थित थे. प्रमुख अतिथि प्रा.डॉ. हेमंत खडके, डॉ. जयंत वडतकर, डॉ. मनीषा कोड़ापे उपस्थित थीं.

विनायक विद्यामंदिर में युवा महोत्सव

अमरावती- प्रवीण खोड़के स्मृति ट्रस्ट द्वारा संचालित विनायक विद्यामंदिर कॉलेज, अमरावती स्थित विद्यार्थियों ने 7 से 10 अक्टूबर के दौरान केशरबाई लाहोटी कॉलेज में संपन्न युवा महोत्सव में विभिन्न कला प्रकारों में बड़े उत्साह से सहभागी होकर अपने कला आविष्कार की बौछार की. पीकेएम ट्रस्ट के सचिव ने युवा महोत्सव में सहभागी छात्रों की सराहना करते हुए कहा की, युवा महोत्सव का मंच यह विद्यार्थियों में छिपी हुए टैलेंट को बढ़ावा देनेवाला है.

स्व. रुक्मिणीदेवी मनोजा का स्मृति दिन अंध विद्यार्थियों के साथ मनाया

अमरावती - लॉयन्स प्रकाश व महेश बंधुओं ने मातोश्री स्व.रुक्मिणीदेवी दौलतरामजी मनोजा के स्मृति प्रित्यर्थ अंध विद्यालय के विद्यार्थियों को अल्पोहार देकर आयोजन किया गया. लायन्स क्लब ऑफ अमरावती रियल के अध्यक्ष मनोज मिश्रा की अध्यक्षता में यह आयोजन हुआ. प्राचार्य नवनाथ इंगोले, योगेश चौधरी, डॉ.गोविंद कासट, संजीव विंचुरकर, हेमंत वालाचाले, सोहिल टापर उपस्थित थे.

लायन्स रियल के सर्विस वीक में हुए विविध उपक्रम

महाराज रूपभजन चॅरिटेबल हॉस्पिटल में निशुल्क नेत्रजांच शिविर

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 20 अक्टूबर- लायन्स क्लब इंटरनॅशनल द्वारा हर साल सर्विस वीक का आयोजन किया जाता है. इस वर्ष यह सप्ताह 4 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक विविध कार्यक्रमों के आयोजन से मनाया गया. सप्ताह के पहले दिन 4 अक्टूबर को महाराज रूपभजन चॅरिटेबल हॉस्पिटल, अमरावती में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर व चश्मा वितरण किया गया. शिविर का लाभ 55 लाभार्थियों ने लिया. दोपहर के सत्र में डॉ. सतीश तिवारी ने बच्चों के कैंसर के बारे में जनजागृति की. सर्विस वीक में स्वास्थ्य जांच शिविर, अन्नदान वितरण सहित अन्य सामाजिक उपक्रमों का आयोजन किया गया था.